

भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2836
दिनांक 18 मार्च, 2025

दलहन और तिलहन की खेती में संकर प्रौद्योगिकियों को अपनाना

2836. श्री राजा राम सिंह :

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) दलहन और तिलहन की खेती में संकर प्रौद्योगिकी को अपनाने में तेजी लाने और इनके आयात पर निर्भरता को भी कम करने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या सरकार का दलहन और तिलहन की संकर किस्मों को अपनाने के लिए कोई योजना शुरू करने का विचार है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार ने विशिष्ट जलवायु क्षेत्रों में संकर बीजों की उपयुक्तता का आकलन करने और किसानों के लिए आर्थिक व्यवहार्यता भी सुनिश्चित करने के लिए किसी समिति का गठन किया है; और
- (घ) विभिन्न फसलों के लिए वर्तमान संकर किस्मों और प्रत्येक संकर किस्म की उत्पादकता का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री
(श्री भागीरथ चौधरी)

(क) एवं (ख):

- सरकार ने घरेलू तिलहन उत्पादन को बढ़ाने और खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता (आत्मनिर्भर भारत) प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-तिलहन (एनएमईओ-ओएस) की शुरूआत की है। मिशन में देश भर में 600 मूल्य शृंखला कलस्टरों के सृजन का प्रावधान है, जो वार्षिक रूप से 10 लाख हे. से अधिक क्षेत्र को सामूहिक रूप से कवर करेगा।
- संकर किस्मों के विकास में तेजी लाने के लिए वर्ष 2014-15 से तिलहनों (भारतीय सरसों) और दलहनों (अरहर) सहित चुनी गई खेत फसलों में उच्च उत्पादकता के लिए संकर प्रौद्योगिकी पर एक कन्सोर्शिया अनुसंधान प्लेटफॉर्म कार्यरत है।

- सूरजमुखी की संकर किस्मों को बढ़ावा देने के लिए, देश के सूरजमुखी उत्पादक क्षेत्रों में 10 संकर किस्मों के लगभग 15000 क्विंटल प्रमाणित बीजों के उत्पादन और वितरण के लिए "सूरजमुखी की खेती की पुनरुद्धार परियोजना" नामक एक योजना संचालित है।
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, भारत सरकार ने अरहर, सूरजमुखी और अरंडी की संकर किस्मों पर किसानों के खेत में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन में सहायता की।
- "अल्प अवधि की उच्च उपज देने वाली अरहर की किस्मों और संकर किस्मों का उपयोग करके भारत में अरहर का उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने" पर एक नेटवर्क परियोजना संचालित की जा रही है।
- किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज की उपलब्धता के मुद्दे के समाधान के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू) में 34 तिलहन और 150 दलहन बीज केंद्र (हब) स्थापित किए गए हैं।

(ग): जी, हाँ। विभिन्न तिलहनों एवं दलहनों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएं विशिष्ट क्षेत्र में संकर प्रौद्योगिकी के उपज प्रदर्शन और स्थिरता का आकलन करने तथा अंतिम अनुशंसा के लिए नोडल एजेंसियाँ हैं। संकर/किस्मों को जारी करने और अधिसूचित करने के पश्चात बीज गुणन के लिए बीज श्रृंखला में शामिल किया जाता है। साथ ही, वैज्ञानिकों की देखरेख में पहली बार किसानों के खेत में प्रौद्योगिकी की उत्पादन क्षमता और लाभ लागत अनुपात का अनुमान लगाने के लिए अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन भी आयोजित किए जाते हैं।

(घ): विभिन्न तिलहन और दलहन फसलों की वर्तमान संकर किस्मों का विवरण अनुबंध में दिया गया है।

{लोक सभा के दिनांक 18.03.2025 के अतारांकित प्रश्न सं. 2836 का भाग (घ)}

विभिन्न दलहनों एवं तिलहनों की वर्तमान संकर किस्मों का विवरण

क्र.सं.	फसल	वर्ष	संकर किस्म	परिपक्वता के दिन	उत्पादकता (किवंटल/हेक्टेयर)	अनुशंसित राज्य
1.	अरहर	2020	आईपीएच 15-03	153-155	16.0 किवंटल/हेक्टेयर	पंजाब, दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश
		2021	आईपीएच 09-5	150-155	18.22 किवंटल/हेक्टेयर	उत्तर पश्चिमी मैदानी क्षेत्र (NWPZ)
		2024	पूसा अरहर हाइब्रिड 5	163 - 170	23.24 किवंटल/हेक्टेयर	दिल्ली
2.	सूरजमुखी	2020	केबीएसएच- 78	82-85	17-23 किवंटल/हेक्टेयर (आई) और 10-12 किवंटल/हेक्टेयर (आर)	कर्नाटक का जोन 5
		2021	तिलहन टेक एसयूएनएच-1 (आईआईओएसएच-15-20)	90-100	20.0 किवंटल/हेक्टेयर, तेल उपज 7.46 किवंटल/हेक्टेयर	उत्तराखण्ड, जम्मू और कश्मीर, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना।
		2021	पीएसएच 2080	97-100	24.2 किवंटल/हेक्टेयर, तेल उपज 10.8 किवंटल/हेक्टेयर	पंजाब
		2022	केबीएसएच-85	90-100	उपज 18.3 किवंटल/हेक्टेयर, तेल उपज 6.62 किवंटल/हेक्टेयर	गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तरी कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, दक्षिणी कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना (कर्नाटक जोन- 4,5,6 और 7)
		2022	बीएलएसएफएच-15004	95-100	19.6 किवंटल/हेक्टेयर, तेल उपज 7.38 किवंटल/हेक्टेयर	बिहार, हरियाणा, पंजाब, ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तेलंगाना
			आर्को प्रोवो (WBSH-2021)	105-110	32.5 किवंटल/हेक्टेयर	पश्चिम बंगाल
		2023	आरएसएफएच-700	90-95	16-17 किवंटल/हेक्टेयर	कर्नाटक
		2023	सूरजमुखी COH 4 (CSH 15020)	90-95	21.82 किवंटल/हेक्टेयर (खरीफ), रबी 18.98 किवंटल/हेक्टेयर	तमिलनाडु

		2024	तिलहन टेक-एसयूएनएच-2 आईआईओएसएच-460	90-100	15.70 क्विंटल/हेक्टेयर	उत्तराखण्ड, जम्मू और कश्मीर, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तरी कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, दक्षिणी कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना तथा संपूर्ण भारत
		2024	केबीएसएच-88	86-88	15.59 क्विंटल/हेक्टेयर	उत्तराखण्ड, जम्मू और कश्मीर, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तरी कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, दक्षिणी कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना
		2024	पीडीकेवी सूरज (पीडीकेवीएसएच 964)	89-90	18-22 क्विंटल/हेक्टेयर	महाराष्ट्र
3.	कुसुम	2023	आईएसएच-402	121-125	23.25 क्विंटल/हेक्टेयर	तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश
4.	तिल	2020	केबीएसएच- 78	82-85	17-23 क्विंटल/हेक्टेयर (I) और 10-12 क्विंटल/हेक्टेयर	कर्नाटक का जोन 5
		2021	तिलहन टेक एसयूएनएच-1 (आईआईओएसएच-15-20)	90-100	20.0 क्विंटल/हेक्टेयर, तेल उपज 7.46 क्विंटल/हेक्टेयर	उत्तराखण्ड, जम्मू और कश्मीर, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना।
		2021	पीएसएच 2080	97-100	24.2 क्विंटल/हेक्टेयर, तेल उपज 10.8 क्विंटल/हेक्टेयर	पंजाब
		2022	केबीएसएच-85	90-100	18.3 क्विंटल/हेक्टेयर, तेल उपज 6.62 क्विंटल/हेक्टेयर	गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तरी कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, दक्षिणी कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना (कर्नाटक जोन- 4,5,6 और 7)
		2022	बीएलएसएफएच-15004	95-100	19.6 क्विंटल/हेक्टेयर, तेल उपज 7.38 क्विंटल/हेक्टेयर	बिहार, हरियाणा, पंजाब, ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तेलंगाना
		2022	आर्को प्रोवो (WBSH-2021)	105-110	32.5 क्विंटल/हेक्टेयर	पश्चिम बंगाल
		2023	आरएसएफएच-700	90-95	16-17 क्विंटल/हेक्टेयर	कर्नाटक
		2023	सूरजमुखी COH 4 (CSH 15020)	90-95	21.82 क्विंटल/हेक्टेयर (खरीफ), रबी 18.98 क्विंटल/हेक्टेयर	तमिलनाडु

		2024	तिलहन टेक-एसयूएनएच-2 आईआईओएसएच-460	90-100	15.70 क्विंटल/हेक्टेयर	उत्तराखण्ड, जम्मू और कश्मीर, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तरी कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, दक्षिणी कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना तथा संपूर्ण भारत
		2024	केबीएसएच-88	88-90	15.59 क्विंटल/हेक्टेयर	उत्तराखण्ड, जम्मू और कश्मीर, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तरी कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, दक्षिणी कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना
		2024	पीडीकेवी सूरज (पीडीकेवीएसएच 964)	89-90	18-22 क्विंटल/हेक्टेयर	महाराष्ट्र
5.	सरसों	2021	एसवीजे एच-108	140-145	2.4 टन/हेक्टेयर, तेल की मात्रा 41.3%, काले और मोटे बीज (6.1 ग्राम/1000 बीज)	हरियाणा (उच्च एवं निम्न उर्वरता वाली सिंचित स्थितियां)
		2021	आरसीएच 1	149-155	26.66 क्विंटल/हेक्टेयर, तेल उपज 1040 किलोग्राम/हेक्टेयर, तेल की मात्रा 39.5%	जम्मू, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तरी राजस्थान।
		2021	पीएचआर 126	145-149	22. 7 क्विंटल/हेक्टेयर	पंजाब
		2024	पीए 5210 (5 आईजे 1110)	130-135	23-30 क्विंटल/हेक्टेयर	राजस्थान
	गोभी सरसों	2021	पीजीएसएच 1699	168-170	15.81 क्विंटल/हेक्टेयर, तेल उपज 642 किग्रा/हेक्टेयर, तेल की मात्रा 41.92%, परिपक्वता 168 दिन, कम एरुसिक एसिड (1.7%) और कम ग्लूकोसाइनोलेट (16.87 μmoles/g)	हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर तथा पंजाब।
		2021	पीजीएसएच 1707	162-165	21.93 क्विंटल/हेक्टेयर	पंजाब
6.	अरंडी	2020	गुजरात कैस्टर हाइब्रिड 10 (जीसीएच 10: चारुतर गोल्ड) (एससीएच 53)	89-112	38.98 क्विंटल/हेक्टेयर	गुजरात
			आरएचसी-2 (राजस्थान हाइब्रिड कैस्टर-2)	55-60	33.78 क्विंटल/हेक्टेयर	राजस्थान
